डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा. अका. 100/ दिनांक : 30 मार्च 2023

प्रेस विज्ञप्ति

30 मार्च 2023, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।

आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत, केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार तथा साहित्य अकादेमी द्वारा 1 और 2 अप्रैल,2023 के बीच "वितस्ता : द फेस्टिवल ऑफ़ कश्मीर" के दूसरे संस्करण में एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठी का विषय है : 'गोदावरी और वितस्ता : एक सांस्कृतिक यात्रा'।

साउथ सेंट्रल ज़ोन कल्चरल सेंटर के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित 1 अप्रैल से शुरू होने वाली इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि कश्मीरी के प्रसिद्ध विद्वान पद्मश्री प्राण किशोर कौल होंगे और इसका विधिवत् उद्घाटन करेंगे। सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे के कुलपति प्रो. कारभारी विश्वनाथ काळे सत्र की अध्यक्षता करेंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार में संयुक्त सचिव उमा नंदूरी और प्रख्यात फिल्म निर्माता तथा सांस्कृतिक व्यक्तित्व सिद्धार्थ काक कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाएँगे। साउथ सेंट्रल ज़ोन कल्चरल सेंटर के निदेश दीपक खिरवड़कर समाहार वक्तव्य देंगे।

संगोष्ठी के विचार सत्रों में, पहले सत्र की अध्यक्षता वसंत शिंदे करेंगे और 'गोदावरी और वितस्ता : एक सांस्कृतिक यात्रा' विषय पर अपना वक्तव्य देंगे। इस सत्र में अरुण चंद्र पाठक 'गोदावरी नदी के अष्टांग स्थल' तथा शुभाश्री उपासनी 'सांस्कृतिक विरासत पदचिह्नों का मूर्त और अमूर्त सम्मिश्रण तथा गोदावरी नदी के आसपास इसका महत्त्व' विषय पर अपने आलेख प्रस्तुत करेंगे। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता सी.के. गरियाली करेंगी तथा 'गोदावरी और वितस्ता की सांस्कृतिक प्रवाहधारा' विषय पर अपना वक्तव्य देंगी। इस सत्र में रूप कृश्न भट्ट 'ललद्यद और नुंद ऋषि' तथा प्रख्यात अभिनेता एवं विद्वान ललित परिमू 'अभिनय योग' विषय पर अपने आलेख प्रस्तुत करेंगे।

दिनांक 2 अप्रैल 2023 को तृतीय सत्र पूर्वाह्न 10 बजे से आयोजित होगा, जिसकी अध्यक्षता दिलीप धोंडगे करेंगे और 'संत साहित्य की समन्वय धारा' विषय पर अपना वक्तव्य देंगे। इस सत्र में शशि शेखर तोशखानी 'भारतीय साहित्य के कश्मीरी आचार्य' तथा सतीश विमल 'वितस्ता का पूर्व इतिहास और महत्त्व' विषय अपने अपने सुचिंतित आलेख प्रस्तुत करेंगे।

(शेष...)

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

चतुर्थ सत्र की अध्यक्षता सदानंद मोरे करेंगे और 'संत साहित्य का प्रसार और प्रभाव' विषय पर वक्तव्य देंगे। इस सत्र में विद्यासागर पाटंगणकर 'मराठी संत साहित्य', मुश्ताक बी. बर्क 'कश्मीर की ऋषि–सूफी परंपरा की समावेशी संस्कृति' तथा भाषा सुंबली 'नाट्यशास्त्र / लडीशाह' विषय पर आलेख–पाठ करेंगे। पंचम सत्र आलेख और प्रस्तुति पर आधारित होगा, जिसमें शोनालिका कौल 'प्राचीन कश्मीर का निर्माण', अर्चना हेगड़ेकर और मेघ कल्याणसुंदरम क्रमशः 'मिले सुर मेरा तुम्हारा : मराठी, कश्मीरी में गीत और कश्मीर में फिल्माए गए गीत तथा भारत और उसका कश्मीर' विषय पर अपनी प्रस्तुति देंगे।

समापन सत्र में प्रख्यात कश्मीरी विद्वान एवं पद्मश्री से सम्मानित काशीनाथ पंडिता समापन वक्तव्य देंगे और इस सत्र की अध्यक्षता प्रखत हिंदी एवं कश्मीरी लेखक अग्निशेखर करेंगे।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य, पूरे देश को कश्मीर की महान सांस्कृतिक विरासत, विविधता और विशिष्टता से परिचित कराना है, विशेष रूप से वैसे देशवासियों को जिन्हें अभी तक इस पावन धरा की यात्रा करने का अवसर प्राप्त नहीं हुआ है। गोदावरी और वितस्ता के सांस्कृतिक विस्तार और परिधि को भी हम भारत की महान ज्ञान परंपरा के आलोक में देख सकेंगे।

इस महोत्सव के अंतर्गत कश्मीरी लोक नृत्य–संगीत, व्यंजन और शिल्प मेला, कार्यशाला, नाट्य प्रदर्शन और अन्य विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन एम.आई.टी : वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी, कोथरुंड तथा सावित्रीबाई फुळे पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में किया जाएगा।

(के. श्रीनिवासराव)